

प्रमाण अनुमोदनार्थ

पुस्तिका संख्या १०१/१९६४

विषय:- अन्तार्राष्ट्रीय मुक्ति तथा अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका हेतु तर्जन-पासन की संशोधन एवं अपूर्ति के संबंध में।

पुस्तिका तैयार किया गया अण्ड-3 परिशिष्ट-65 के अंतर्गत में अन्तार्राष्ट्रीय तथा अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के प्रत्येक हस्तक्षर एवं आरक्षी को एक पीतल की धाती एवं एक पीतल का लोटा अतिरिक्त काल के लिए दिया है। अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका का आर 5 पृष्ठ 1-2050/87 अण्ड-3 पृष्ठ 2051 दिनांक 28-9-68 के निर्देशानुसार पीतल की धाती एवं लोटा के लक्षण पुस्तिका के अंतर्गत में विषय स्टेनलेस स्टील की एक धाती तथा एक लोटा अपूर्ति करना आवश्यक था। अतः यह निर्णय लिया गया है कि पीतल की धाती एवं लोटा के स्थान पर स्टेनलेस स्टील की धाती एवं स्टेनलेस स्टील का लोटा अंतर्गत में अपूर्ति की जाय जिसका मापदंड निम्नलिखित होगा :-

1. स्टेनलेस स्टील धाती का व्यास $1\frac{1}{2}$ " एवं किनारा $\frac{1}{4}$ " का होगा जो 22 ग्रेन सील की धाती होगी जिसका अधिकतम वजन 300 ग्राम होगा। वजन में 1% प्रचलन सम्मिलित होना सही है।

2. स्टेनलेस स्टील का लोटा एक जोड़र धाती रखने की इच्छा वाला लोटा का लोटा का लोटा होगा।

3. लोटा के अंतर्गत में लोटा का क्रम "साधु एवं पूर्णतः शीर्ष" के अन्तर्गत किया जायगा।

4. अन्तार्राष्ट्रीय मुक्ति एवं अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के जमानों के लिए सामूहिक लेख के लक्षण अंतर्गत में निम्नलिखित मापदंड निर्धारित किया जाता है :-

क. अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका :- एक अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका में निम्नलिखित तर्जन-वर्तन रहे जो केवल अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के लिए उपयोग किये जायेंगे :-

1. अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के अंतर्गत में तर्जन :-
 120" व्यास एवं अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के अंतर्गत में तर्जन 7.5 के अंतर्गत में 10% है।
2. लोहा की कृपावली के अंतर्गत में तर्जन :-
 व्यास 22" है।
3. लोहा का व्यास के अंतर्गत में तर्जन :-
 व्यास 24" है।
4. अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के अंतर्गत में तर्जन :-
 व्यास 24" एवं अन्तार्राष्ट्रीय लेखा पुस्तिका के अंतर्गत में 10% है।

दो अक्षर
 एक अक्षर
 एक अक्षर
 एक अक्षर

- 5. लोहे की सोलनी - एक अदद
 | 36" लम्बा, व्यास 5" मोटा 1
- 6. लोहे का करझुल - एक अदद
 | 18" लम्बा, कप का व्यास 5"

अथ सेवकान स्तर पर :- आवातून के तीन सेवकान में प्रत्येक के लिए एक-एक का ही मन्तिरिन प्रापदंड होगे । इन वर्तमान सेवकानों के स्तर पर विद्यमान अददों तथा सेवकान की प्रतिनियुक्ति की अवस्था में वर्तन उन्हें मुहैया कराये जायेंगे ।

- 1. अश्वनिप देवकी सेवकान - एक अदद
 | 18" व्यास, 10" लम्बा, वजन 5 के. ग्रा. ± 10% |
- 2. अश्वनिप देवकी सेवकान सहित - एक अदद
 | 14" व्यास, 6" लम्बा, वजन 2 के. 50ग्राम ± 10% |
- 3. लोहे की कृ. ही हैन्दल सहित - एक अदद
 | 15" व्यास |
- 4. लोहे का लाना हैन्दल सहित - एक अदद
 | 12" व्यास |
- 5. जी०आई०आल्टी - एक अदद
 | 14" व्यास |
- 6. अश्वनिप जन हैन्दल सहित - एक अदद
 | 6" व्यास, 7" लम्बा, वजन 275 ग्राम ± 10% |
- 7. लोहे की सोलनी - एक अदद
 | 18" लम्बा, व्यास 5" मोटा 1
- 8. लोहे का करझुल - एक अदद
 | 16" लम्बा तथा कप का व्यास 5" |
- 9. इक्षरा हैन्दल सहित सहित का - एक अदद
 | 15" लम्बा, व्यास 5" |
- 10. लोहे का सिण्टा - एक अदद
 | 15" लम्बा, 1 1/2" मोटा 1
- 11. लोहे का फहतल - एक अदद
 | 18" लम्बा अश्वनिप के स्तर पर
 | 10" लम्बा लोहे का स्तर लोहे 1
- 12. लकड़ी का ककडा - एक अदद
 | 10" व्यास जिसे लकड़ी पालि नहीं होगे |
- 13. लकड़ी का गेलना - एक अदद
 | 12" लम्बा |
- 14. पदशर का लोल - एक अदद
 | 10" लम्बा, 10" मोटा 1
 | 10" लम्बा, 10" मोटा 3" मोटा 1
 | मोटा - माप में 10% की छूट |

15. पत्थर का लोढ़ा

मेटा मोरिफिक पत्थर का दान किया
10" लम्बा, 3" चौड़ा, " मोटा, दाना
माप में +10% की छूट है

एक अदद

1- सामूहिक पैर के वर्तनों का क्रय "अन्य प्रकार शीशं" के अन्तर्गत किया जायगा।

2- उक्त पत्थर के आधार पर समावेष्टा वर्तनों की अपनी न्यूनतम सामान्यता प्रति वर्ग फुटि हरतक 1977 को महत पुक्ति हरतक प्रपत्र सं० 158 में महानिदेशक आरक्षी महानिरीक्षक को प्रेषित। वासन-वर्तनों के क्रय हेतु निविदा पुक्ति हरतक नियम 10761ए के अनुसार आयोजित की जायगी। पुक्ति हरतक नियम 10761बी के तहत पुक्ति के न्तीय क्रय समिति द्वारा वर्तनों के नमूने, दर एवं फर्म निर्धारित की जायगी। नमूने वासन वर्तन वर्तनों की तरह के न्तीय रूप से क्रय की जायगी तथा क्रयोपरान्त संबंधित वर्तनों को भारविदा किया जायगा।

4- वासन वर्तनों का क्रय निधि को उपलब्धता के आधार पर की जायगी। केन्द्रीय क्रय समिति द्वारा एवं दर निर्धारण के बाद सं०म०नि० क्यू० वर्तनों के क्रय पर होने वाले प्राक्कलिप्त काम की राशि को उपलब्धता के संबंध में सं०म०नि० प्रशासन से सिंपुडिट कराने के बाद ही संबंधित काम को क्रयदेश निर्गत करेग।

5- पुक्ति शीशंके 214/1987 एवं 216/90 जो क्रमांक: 1732, एस० दिनांक 4-5-89 एवं 490/कै०पु० दिनांक 2-3-90 द्वारा निमित्त हुए हैं, को तात्कालिक प्रभाव से निरस्त किया जायगा है।

महानिदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक, बिहार, पटना।

दिनांक 23/1/91 एस०
27-1-1-91

महानिदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक कार्यालय, बिहार।

प्रतिलिपि:-

पटना, दिनांक 24 जनवरी, 91.

1- आरक्षी महानिरीक्षक, स्यास्त्र बल/ प्रोविजन्स, बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।

2- सभी आरक्षी सप-महानिरीक्षक, स्यास्त्रबल/ सभी समावेष्टा, बिहार को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।

3- आरक्षी महानिरीक्षक के सहायक प्रशासन/क्यू० बिहार, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।

4- प्रशाखा महानिरीक्षक पी-1, प्रशाखा, महानिदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक कार्यालय, बिहार, पटना को सत्यपत्र में उकाशन हेतु आवश्यक क्रियार्थ प्रेषित।

महानिदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक,
बिहार, पटना।

राग/22191

AUGUST

10

Monday

NOVEMBER

10

Tuesday